

॥॥॥॥ पत्रापत्नी पेशा दुहे साय ५ पूर्णक
लक- बार- बार चापाण डिमाई
डाई- प्राची प्रसातल व- वक मल
इतु पीक्य है अल प्राची का
प्रापक-पत्र अडक हापरी अडक
पेकी के स्वारीकिया जाता है
पत्रापत्नी प्रसात दुगाट होकर
उपे वरुवर के काग है तथा हासिया
दपतर है

